

# नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

के द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) में अनियमितताओं के आरोपों के बाद केंद्र सरकार द्वारा बोर्ड के अध्यक्ष और सचिव को हटाया जाना एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम है. हालांकि, केवल अधिकारियों को बदल देने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा. आवश्यकता इस बात की है कि देश की पूरी परीक्षा व्यवस्था को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए कि उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर कोई प्रश्नचिह्न न लग सके. वर्योक्ति परीक्षा प्रणाली केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के भविष्य का आधार है.

पिछले कुछ वर्षों में प्रश्नपत्र लेक होने की घटनाओं ने देश की शिक्षा और भर्ती परीक्षाओं की साख को गंभीर रूप से प्रभावित किया है. बोर्ड परीक्षाओं से लेकर नीट, जेईई और विभिन्न सरकारी भर्ती परीक्षाओं तक, बार-बार सामने आए पेपर लीक मामले ने विद्यार्थियों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर किया है. लाखों छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं,

## दोषरहित परीक्षा प्रणाली सबसे बड़ी जरूरत

लेकिन कुछ लोगों के लालच और व्यवस्था की कमजोरियों के कारण उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है. इससे प्रतिभाशाली और ईमानदार विद्यार्थियों में निराशा बढ़ती है तथा व्यवस्था के प्रति असंतोष पैदा होता है.

यह सब है कि सरकारों ने तकनीकी सुरक्षा बढ़ाने, निगरानी तंत्र मजबूत करने और कठोर कानून बनाने जैसे कई कदम उठाए हैं. इससे बावजूद यदि प्रश्नपत्र लेक की घटनाएं नहीं रुक रही हैं, तो इसका अर्थ है कि समस्या केवल तकनीकी नहीं, बल्कि संस्थागत और नैतिक भी है. सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसे गिरोह वर्षों तक सक्रिय कैसे बने रहते हैं और उन्हें व्यवस्था के भीतर से सहयोग कौन उपलब्ध कराता है. जब गोपनीयता की जिम्मेदारी सभालने वाले कुछ लोग ही अपने दायित्वों से समझौता कर लेते हैं, तब कोई भी सुरक्षा तंत्र पूरी तरह प्रभावी नहीं रह जाता. इस

समस्या का सामाजिक पक्ष भी उतना ही गंभीर है. प्रश्नपत्र तभी बिकते हैं जब उन्हें खरीदने वाले मौजूद हों. कुछ अभिभावक और विद्यार्थी अनुचित लाभ पाने के लिए बड़ी रकम खर्च करने को तैयार हो जाते हैं. इसी प्रकार सॉल्वर गैंग और फजीवाड़े का कारोबार भी तभी फलता-फूलता है जब शिक्षित लोग अपनी योग्यता का दुरुपयोग आर्थिक लाभ के लिए करने लगते हैं. इसलिए पेपर लेक केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक नैतिकता से जुड़ा संकेत भी है.

वास्तविक चिंता यह है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था ज्ञान और कौशल तो दे रही है, लेकिन चरित्र निर्माण पर अपेक्षित ध्यान नहीं दे पा रही. यदि शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक, डिग्री और गोपनीयता की जिम्मेदारी सभालने वाले कुछ लोग ही अपने दायित्वों से समझौता कर लेते हैं, तब कोई भी सुरक्षा तंत्र पूरी तरह प्रभावी नहीं रह जाता. इस

पेशेवरों के साथ-साथ नैतिक नागरिक तैयार करना भी होना चाहिए.

भारत विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष अनुसंधान और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है. भारतीय युवा विषय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं. लेकिन परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर आंच आती रही. तो इन उपलब्धियों का महत्व भी प्रभावित होगा. किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी संस्थाओं पर जनता के विश्वास से तय होती है. इसलिए समय की मांग है कि परीक्षा सुरक्षा को अत्याधुनिक बनाया जाए, दोषियों के विरुद्ध त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित हो तथा शिक्षा संस्थानों, परिवारों और समाज में नैतिक मूल्यों के पुनर्स्थापन का व्यापक अभियान चलाया जाए. परीक्षाओं की साख केवल कानूनी से नहीं, बल्कि ईमानदार व्यवस्था, जाबदाही और मजबूत संस्कारों से लौटनी. युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए दोषरहित परीक्षा प्रणाली आज देश की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल होनी चाहिए.

## गवालियर चंबल डायरी

# नरोत्तम चुनावी मोड में, राज्यसभा उम्मीदवारी का विकल्प भी खुला



हरीशा दुबे

दतिया में नरोत्तम मिश्रा अब पूरी तरह चुनावी मोड में हैं. पिछले हफ्ते भर में वे दर्जन भर से ज्यादा सभाएं, सम्मेलन और रणनीतिक बैठकें कर चुके हैं. कांग्रेस के पुराने कार्यकर्ताओं को तोड़कर भाजपा में पार्टी का सिलसिला जारी है. स्थानीय स्तर पर लाटे उन्हें प्रत्याशी मानकर चल रही है. हालांकि 23 की हार के बाद से ही अपने राजनीतिक पुनर्वास का इंतजार कर रहे नरोत्तम के समक्ष 18 जून को सात सदस्यीय कमेटी मुकदर कर रखी है. हाईकोर्ट में अम्बेडकर प्रतिमा लगाने या न लगाने के मुद्दे पर पहले से ही शहर की सामाजिक फिज्जों में तनाव घुला है, लिहाजा गवालियर में बौद्ध समाज के इतने बड़े जलसे को लेकर प्रशासन फूक फूक कर कदम रख रहा है. वैसे आयोजकों ने प्रशासन को यह कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और सामाजिक सद्भाव पर केंद्रित रहने का भरोसा दिया है. गवालियर और दतिया, दोनों जिलों का प्रशासन अपने तई कमर कसकर तैयार है.

शहर के सबसे बड़े मंदिर में अब प्रबंधन के खिलाफ खेमेबंदी

शहर के सबसे प्रतिष्ठित और सर्वाधिक भौंड भरे मंदिर अचलेस्वर का परिसर न्यास के कुछ सदस्यों की नाराजगी के चलते गर्माया हुआ है. जिला प्रशासन ने मंदिर की व्यवस्थाओं को मैनेज करने के लिए रिसीवर के साथ ही सात सदस्यीय कमेटी मुकदर कर रखी है. इसी के कामकाज पर सवाल उठ रहे हैं. मंदिर में पुरानी जीर्ण शोधन का जगह अत्याधुनिक हाईटेक प्लाज्म के निर्माण के साथ ही वाटर हैबिटिंग, दीपदान, पादुका स्थापना एवं पार्किंग जैसे विभिन्न मुद्दों पर न्यास सदस्यों और श्रद्धालुओं का गुस्सा भड़क उठा. हंगामा इस हद तक बढ़ा कि विधायक सतीश सिकरवार के दखल के बाद ही मामला शांत हुआ. श्रद्धालुओं को सभी मांगें माने जाने का भरोसा मिला है. लेकिन अब फिर से मंदिर परिसर गर्माया हुआ है. वजह यह कि न्यास के आदित्य शर्मा ने सीधे कलेक्ट्रेट में लिखित आवेदन देकर न्यास का बायलॉज के निर्माण व साधारण सभा की बैठक बुलाने की मांग कर डाली है.



अभी तक उभर कर आई अवधेश नायक, घनश्याम सिंह और राजेन्द्र भारती के बेटे की दावेदारियों में से अपने लिए मुफ्फेद चेहरे का चयन नहीं कर पा रही है.

## बौद्ध सम्मेलन को लेकर प्रशासन अलर्ट, अम्बेडकर के पौत्र आ रहे

हाईकोर्ट परिसर में बाबा अंबेडकर की प्रतिमा लगाए जाने को लेकर दलित और सर्वण समाज से जुड़े संगठनों के टकराव को जिला प्रशासन के सख्त तैयारी कर रहे हैं. हालांकि दतिया और सेवदा, दोनों सौंठों से विधायक रह चुके दतिया राजपरिवार के घनश्याम सिंह ने खुद को टिकट की स्पर्धा से अब अलग कर लिया है.

## निर्दलीय लड़ने की स्थिति में प्रवीण के लिए आसान नहीं चुनावी डगर

गवालियर चंबल अंचल में व्यापारियों, उद्यमियों के सबसे बड़े संगठन मप्र वेम्बर ऑफ कॉमर्स के चुनाव में व्यापारी वर्ग की निगाहें मौजूदा अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल पर टिकी हैं. भले ही व्हाइट हाउस ने उनका टिकट काटकर सराफा कारोबारी पारस जैन को अध्यक्ष पद के लिए भेदान में उतार दिया है लेकिन व्यापारी वर्ग का मानना है कि प्रवीण चुनावी समीकरणों में बड़ा उलटफेर करने की क्षमता रखते हैं. ज्यादा संभावना इसी बात की है कि प्रवीण हाउसों की राजनीति छोड़ निर्दलीय ताल ठोकेंगे. यदि ऐसा हुआ तो व्हाइट हाउस के समक्ष बड़ा संकेत खड़ा हो सकता है और व्हाइट हाउस के प्रत्याशी पारस के लिए चुनावी वैतर्णों पर करना मुश्किल हो जाएगा. लेकिन प्रवीण अग्रवाल भले ही सर्वाधिक पदे लिखे व्यापारी प्रतिनिधि होने के साथ ही लोकप्रियता के पैमाने पर व्यापारी तबके में गहरी पैठ रखते हैं लेकिन निर्दलीय लड़ने की स्थिति में उनका मुकामला व्हाइट और क्रिप्टिव, दोनों हाउसों के उम्मीदवारों से होगा, इस लिहाज से प्रवीण अग्रवाल की चुनावी डगर भी उतनी आसान नहीं कही जा सकती. बड़ा उलटफेर यह हुआ है कि अब तक व्हाइट हाउस के संरक्षक की भूमिका निभाने वाले डॉ. वीरेन्द्र गंगवाल ने अपने को हाउसों की हदबंदी से दूर कर लिया है.

## पीएम स्वनिधि योजना



मनोहर लाल

# वित्तीय समावेशन की परिवर्तनकारी यात्रा

यह योजना आत्मनिर्भर भारत और वोक्ल फॉर लोकल के संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार करती है. पीएम स्वनिधि की सफलता इस बात का प्रमाण है कि समावेशी विकास का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंच रहा है. पीएम स्वनिधि योजना ने पथ विक्रेताओं के लिए वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा का एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है. मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह योजना लाखों विक्रेताओं की आजीविका को सशक्त बनाते हुए नई परिवर्तनकारी कहानियाँ रचेंगी तथा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

उर्जा प्रदान की है. यह केवल ऋण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रही, बल्कि सम्मान, पहचान और नए अवसरों का एक सशक्त माध्यम बनी है.

योजना की सफलता का प्रमुख आधार व्होले ऑफ गवर्नमेंट एप्रोच रहा, जिसमें केंद्र, राज्य, शहरी स्थानीय निकायों और बैंकिंग संस्थानों के समन्वित प्रयासों ने इसे देशभर में अभूतपूर्व रूप से पहुंचाया तथा उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किये. इस योजना के अंतर्गत लाखों विक्रेताओं के बैंक खाते सक्रिय हुए, उनका वित्तीय व्यवहार दर्ज होने लगा और पहली बार उनके लिए एक औपचारिक क्रेडिट हिस्ट्री का निर्माण हुआ.

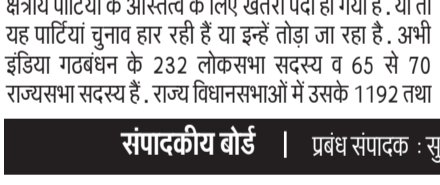
इससे भविष्य में और अधिक ऋण तथा वित्तीय सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान हुई और वे आज बैंक के सम्मानित ग्राहक हैं. और उद्यमी के रूप में उभरे हैं. इस योजना का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू डिजिटल सशक्तिकरण है. यूपीआई और क्यूआर-कोड आधारित भुगतान को बढ़ावा देने के लिए कैशलेस प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है. इस पहल ने अभी तक 55 लाख विक्रेताओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा, उनके लेन-देन को पारदर्शी बनाया और उनकी वित्तीय साख को मजबूत किया है. योजना की सोच केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं रही. 'स्वनिधि से समृद्धि' पहल के माध्यम से लाभार्थियों और उनके परिवारों को भारत सरकार की आठ प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया.

अब तक 50 लाख से अधिक पथ विक्रेता परिवारों की प्रोफाइलिंग की जा चुकी है तथा इन योजनाओं के अंतर्गत 1.52 करोड़ से अधिक लाभ स्वीकृत किए जा चुके हैं. पेंशन, बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसे सुविधाओं तक पहुंच प्रदान कर यह पहल पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों के लिए एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र का माध्यम बनी है. इसके अतिरिक्त एफएसएसएआई के सहयोग से खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किए गए हैं, जिससे विशेष रूप से स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की गुणवत्ता, स्वच्छता और ग्राहक विश्वास में वृद्धि हुई है. महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र

## एकजुटता की तलाश में इंडिया गठबंधन

विपक्षी पार्टियों का बिखराव बीजेपी नेतृत्व के एनडीए की ताकत बन गया है. विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की सबसे बड़ी कमी राष्ट्रीय स्तर पर विश्वसनीयता व समन्वय का अभाव है. इसके नेताओं का अहं उनकी एकजुटता में धक है. बंगाल में ममता बनर्जी और तमिलनाडु में एमके स्टालिन की पार्टियों की विधानसभा चुनाव में पराजय से ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई कि 6 जून को इंडिया गठबंधन की बैठक लेना अपरिहार्य हो गया. इस बैठक में नए राजनीतिक समीकरणों की संभावना तलाशी जाएगी. आपसी मतभेदों को मिटाने या कम करने पर विचार होगा. नियमित समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया जाएगा. सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्षेत्रीय पार्टियों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा हो गया है. या तो यह पार्टियां चुनाव हार रही हैं या इन्हें तोड़ा जा रहा है. अभी इंडिया गठबंधन के 232 लोकसभा सदस्य व 65 से 70 राज्यसभा सदस्य हैं. राज्य विधानसभाओं में उसके 1192 तथा

विधानपरिषदों में 98 सदस्य हैं. इंडिया गठबंधन में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके, एमडीएमके, झारखंड मुक्ति मोर्चा, नेशनल कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव), एनसीपी (शरद पवार), राजद, कम्युनिस्ट पार्टियां तथा अन्य क्षेत्रीय दलों का समावेश है. विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को असम में इस बार और करारा झटका लगा. केरल में पलटिफेर की पराजय हुई. केजरीवाल का प्रभाव कमजोर हो गया. उनकी पार्टी 'आप' की सिर्फ पंजाब में सरकार रह गई है. कांग्रेस की तेलंगाना, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश में सरकार है. केरल में भी उसका मोर्चा सत्ता में आ गया, लेकिन ममता और केजरीवाल ने कभी भी राहुल को अपना नेता नहीं माना. इसलिए इंडिया गठबंधन में नेतृत्व का प्रश्न जटिल है. कम से कम किसी समन्वयक या संयोजक की नियुक्ति की जा सकती है. आपसी मतभेदों को मिटाकर बीजेपी से मुकाबले की दिशा में रणनीति बनानी होगी. देखा होगा कि 6 जून की बैठक कौन-सा गुल खिलाती है.



संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

**CROSS WORD 12278** - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4
		5	
6		7	8
	9	10	
11	12		14
	15	16	17
18		19	

वाला एक फूल 8. बचाव की जगह, आश्रय, रक्षा 9. पूंछ 11. अवस्था 12. गवाह 13. नाकामयाब 14. संकोच या शर्म करने वाला 16. हिमालय पर्वत से निकलने वाली एक नदी का नाम 17. छीनने या हरण करने वाला, प्रत्येक, एक-एक

**Solution 12277**

ट	म	ट	म	ब	ना	म
पा	म	थ	नि	या	हा	
ल	र	क	ना	म	न	
	म	ना	का	हा	ता	
वे	णी	म	ट	क	ना	
ध	क	ध	क	ना	ट	प
शा	म	झ	न	क	ल	
ला	य	की	ब	या	ना	

## ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

**आज जिनका जन्मदिन है**

वर्ष के प्रारंभ में नवीन कार्यों में रूचि एवं सफलता प्राप्त होगी, व्यापार व्यवसाय में लाभ होगा, वर्ष के मध्य में सत्ता सुख प्राप्त होगा, स्थाई लाभ का योग है, वर्ष के अन्त में माता पिता के कमजोर स्वास्थ्य को चिन्ता रहेगी, अत्याधिक परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी, अधिकारी वर्ग से मतभेद हो सकता है.

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को माता पिता के कमजोर स्वास्थ्य से

**मेघ** - अधिकारी आपको बावों से सहमत होंगे, खानपान पर ध्यान रखें, धार्मिक कार्यों में खर्च होगा, आर्थिक कार्यों में सफलता मिलेगी.

**वृषभ** - समय पर काम पूरा करने में परेशानी होगी, विरोधी की चालों को समझ नहीं सकेंगे, राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी, मन में संतोष रहेगा.

**मिथुन** - साझेदारी में किसी बड़ी योजना पर गंभीरता से विचार होगा, अचानक किसी कार्य में व्यस्तता रहेगी, समस्या का सरलता से समाधान होगा.

**कर्क** - कानूनी मामले में सावधानी से निर्णय करें, खोया आत्म विश्वास फिर जगृत होगा, किसी से विवाद हो सकता है, परिश्रम की अधिकता रहेगी.

**सिंह** - समय पर वादा पूरा नहीं कर पाने का मलाल रहेगा, आत्म विश्वास से अपनी बात कहें, सफलता मिलेगी, अत्याधिक विश्वास करना हानिकारक रहेगा, विवाद हो सकता है.

**कन्या** - बीती बातों को भूलकर आगे काम करें, इससे शांति और सफलता मिलेगी, कोर्टनिष्क मामलों में सावधानी रखें, आकस्मिक प्रयास बन सकता है.

**तुला** - प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी, शादी विवाह की चर्चा में सफलता मिलेगी, अतिथि आगमन होगा, निजी दायित्वों की पूर्ति होगी, प्रतिष्ठ बनी रहेगी.

**वृश्चिक** - मित्रों की मदद से सारे काम निपटा लेंगे, सुखवृद्ध से अच्छे आर्थिक लाभ होगा, वाहन आदि के कार्यों में सावधानी रखें, धार्मिक कार्यों में खर्च अधिक होगा.

**धनु** - नई योजना शुरू करने में अड़चने आयेगी, घर में उत्साह का माहौल रहेगा, दूसरों के कारण परेशानी होगी, मांगलिक कार्य बनेगा.

**मकर** - कार्य की गति धीमी रहने से निराशा होगी, समझौता करना लाभकारी रहेगा, शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी, समय के स्वल्प को देखकर कार्य करें.

**कुम्भ** - जरूरी काम में व्यस्तता रहेगी, मित्रों के व्यवहार से दुख होगा, व्यापार व्यवसाय को बढ़ाने का प्रयास करें, अनावश्यक विवादों को टालें.

**मीन** - अनहोनी चलने से विशेष खुशी होगी, धर्म कर्म के कार्यों में भागीदारी रहेगी, कामकाज में तरकी होगी, खरीदी विक्री की कार्यों में सतर्कता रखें.

**आज जन्म शिशु का भविष्य**

3 आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, बड़े नेत्रों वाला शरीर से कोमल एवं मन में भावुक होगा. स्वास्थ्य में कुछ नरम गरम रहेगा, अपनी इच्छानुसार कार्य करेगा, दूसरों को शीघ्र अपनी ओर आकर्षित करेगा. प्रवास का शौकीन होगा.

**उत्पत्तिकालीन ग्रह चाल**

8	5				
9	के.7 सू. चं.शु.	6	शु.	5	
	10		4		
11		1	शु.	3	
	12		2		

**पंचांग**

रा.मि. 14 संवत् 2083 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी गुरुवासरे रात 8/25, उत्तराषाढ नक्षत्रे रात 1/17, शुक्ल योगे दिन 7/37, वव करणे सू.उ. 5/15, सू.अ. 6/45, चन्द्रचार धनु प्रातः 5/43 से मकर, शु.रा. 10, 12, 1, 4, 5, 8 अकर, 11, 2, 3, 6, 7, 9 शुभांक- 3, 5, 9.

**SUDOKU 7410**

	8	5						
3								
	6			7	4			
6		2		4				
1								8
		7		5				3
	4	7						
				1				
						5	2	

**पत्रेक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें**

4 3 9 2 6 8 5 1 7  
8 1 6 7 4 5 9 2 3  
7 5 2 3 9 1 6 4 8  
1 7 5 4 2 6 8 3 9  
6 4 3 8 5 9 2 7 1  
2 9 8 1 7 3 4 5 6  
5 2 1 6 8 7 3 9 4  
9 8 7 5 3 4 1 6 2  
3 6 4 9 1 2 7 8 5